

अयोध्या ने ताजमहल को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल बना (2024)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [अयोध्या](#) ने आगरा (ताजमहल) को पीछे छोड़ते हुए वर्ष 2024 के लिये उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक देखा जाने वाला स्थल बन गया।

मुख्य बढि

- **अयोध्या शीर्ष गंतव्य बना**
 - जनवरी से सितंबर 2024 के बीच अयोध्या में 135.5 मिलियन घरेलू पर्यटक और 3,153 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए।
 - पर्यटन में यह वृद्धि मुख्य रूप से राम मंदिर के उद्घाटन से प्रेरित है, जिसने शहर को भारत में आध्यात्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में स्थापित किया है।
 - अयोध्या में धार्मिक पर्यटन बुकनिंग में 70% की वृद्धि देखी गई है, राम मंदिर में [पुराण परतषिठा](#) समारोह में बड़ी भीड़ जुट रही है और जनवरी 2025 में इसके वर्षगाँठ समारोह के दौरान इसमें और वृद्धि होने की आशा है।
- **आगरा (ताजमहल)**
 - वर्ष 2024 में आगरा स्थिति प्रसिद्ध [ताजमहल](#) में 125.1 मिलियन आगंतुकों ने प्रवेश किया, जिनमें से 115.9 मिलियन घरेलू और 924,000 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक शामिल थे।
 - ताजमहल अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिये एक प्रमुख आकर्षण बना हुआ है, जहाँ वदिशी आगमन 2022-23 में 2.684 मिलियन से बढ़कर 2023-24 में 27.7 मिलियन हो जाएगा।
 - हालाँकि, ताजमहल में घरेलू पर्यटकों की संख्या में 193,000 की मामूली कमी आई है।
- **उत्तर प्रदेश में पर्यटन बकिस**
 - उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024 में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जनवरी से सितंबर 2024 तक 476.1 मिलियन पर्यटक राज्य में आएँगे।
 - वर्ष 2024 में राज्य का पर्यटन प्रदर्शन 2023 में दर्ज 480 मिलियन पर्यटकों को पार करने की राह पर है।
 - अयोध्या के अलावा, उत्तर प्रदेश के अन्य आध्यात्मिक स्थलों, जिनमें [वाराणसी](#) (62 मिलियन घरेलू, 184,000 अंतरराष्ट्रीय), [मथुरा](#) (68 मिलियन, 87,229 वदिशी), [प्रयागराज](#) (48 मिलियन) और [मरिजापुर](#) (11.8 मिलियन) शामिल हैं, ने भी वर्ष 2024 में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है।
 - कुशीनगर में [बौद्ध सर्कटि](#) में 1.62 मिलियन पर्यटक आए, जिनमें 153,000 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक शामिल थे, जो अयोध्या के आध्यात्मिक आकर्षण से परे पर्यटन को विविधता प्रदान करने के उत्तर प्रदेश के परयासों को दर्शाता है।